No. of Printed Pages : 4

MMDE-075

M.Ed. SPECIAL EDUCATION-HEARING IMPAIRMENT (MEDSEHI)

00172

Term-End Examination

December, 2017

MMDE-075 : AURAL REHABILITATION OF CHILDREN WITH HEARING IMPAIRMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *Both **Part - A** and **Part - B are compulsory**. Marks are alloted against each question.*

PART - A

Write short notes on **any three (3)** of the following questions from **Part-A**. Each question carries **5** marks.

1. Role of Central Auditory nervous system in hearing. 5

2. Importance of hearing for Psychological purposes. 5

3. Procedure for carrying out pure - tone audiometry. 5

4. Parameters that need to be controlled in the environment to enable a child with hearing impairment hear better. 5

5. Why is assessing a child with hearing impairment a complex task ? 5

PART - B

Attempt **any four (4)** questions in all from **Part-B**. Each question carries **15** marks.

6. With the help of a diagram, describe various systems involved in speech production. **15**

7. Describe in detail various theories of language development in children. **15**

8. Describe the assessment of speech in children with hearing impairment. How would you develop speech in these children ? Discuss. **15**

9. Critically evaluate the need to provide listening training to the children with hearing impairment by non-verbal sounds. Give examples. **15**

10. Why is it necessary for special educators to know about the technical specifications of amplification devices ? List various electro-acoustic characteristics of amplification devices. **15**

11. Discuss the application of the following tests in early identification of hearing loss. **5x3=15**

    (a) Immittance audiometry

    (b) Brain-Stem Evoked Response Audiometry (BSERA)

    (c) Oto - Acoustic Emmission (OAE)

    List the merits and demerits of the above tests.

एम.एड. विशेष शिक्षा-श्रवण बाधिता
(एम.ई.डी.एस.ई.एच.आई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.एम.डी.ई.-075 : श्रवण बाधित बच्चों का श्रवण पुनर्वास

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *भाग -अ व भाग - ब दोनों अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।*

भाग - अ

भाग - अ से निम्न में से **किन्हीं तीन (3)** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. श्रवण में केन्द्रीय श्रवण तंत्रिका तंन्त्र की भूमिका। 5

2. मनो-युक्ति संगत उद्देश्यों हेतु श्रवण का महत्त्व। 5

3. प्योर टोन ऑडियोमीटरी करने के लिए प्रक्रिया। 5

4. पर्यावरण में होने वाले वे प्राचल, जिन्हें एक श्रवण बाधित बच्चे को बेहतर सुनने के योग्य बनाने के लिए नियंत्रित करने की आवश्यकता है। 5

5. श्रवण-बाधित बच्चे का आकलन करना एक कठिन कार्य क्यों है? 5

भाग - ब

भाग-ब में से **किन्हीं चार (4)** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

6. ध्वनि उत्पत्ति में सहायक विभिन्न तंत्रों का वर्णन एक चित्र के माध्यम से कीजिए। 15

7. बच्चों में भाषा विकास के विभिन्न सिद्धांतों का वर्णन विस्तारपूर्वक कीजिए। 15

8. श्रवण-बाधित बच्चों की वाणी के आकलन का वर्णन करें। इन बच्चों में वाणी का विकास आप किस प्रकार करेंगे? चर्चा कीजिए। 15

9. श्रवण-बाधित बच्चों हेतु श्रवण-बोध के अशाब्दिक ध्वनियों द्वारा प्रशिक्षण की आवश्यकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। उदाहरण दीजिए। 15

10. एक विशेष शिक्षक के लिए प्रवर्धन यंत्रों की तकनीकी विशिष्टताओं का ज्ञान होना किस लिए आवश्यक है? प्रवर्धन यंत्रों के विभिन्न विद्युतीय ध्वनिकता के उपयोगों की सूची बनाएं। 15

11. श्रवण - ह्रास की शीघ्र पहचान हेतु उपयोग में आने वाले निम्नलिखित प्रशिक्षणों पर चर्चा करें। 5x3=15

    (a) इमीटैंस आडीयोमीटरी

    (b) ब्रेन-स्टैम इवोक्ड रैसपोंस ऑडीयोमीटरी (बी.एस.ई.आर.ए.)

    (c) ओटो - एकॉस्टिक एमिशन (ओ.ए.ई.)

    ऊपरी प्रशिक्षणों के उपयोग एवं सीमाओं की सूची बनाएं।